IDENIFICATION OF LEARNING DISABLED CHILDREN
अधिगम असमर्थ बच्चों की पहचान

अधिगम असमर्थी बच्चों की पहचान उतनी जल्दी नहीं हो सकती है, जितनी जल्दी विशिष्ट बच्चों की हो जाती है। उन्हें सामान्य जीवन जीते हैं और इन्हें अपने दैनिक कार्यों में किसी भी प्रकार की कठिनाईयों का सामना नहीं करना पड़ता है। इन्हें केवल सोचने, समझने, लिखने व भाषा संबन्धी कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है अर्थात इन्हें सरल भाषा को समझ पाना भी मुश्किल होता है

ऐसे बालकों की पहचान करने की पैमाने को तीन वर्गों में बांटा जा सकता है –

1) सामान्य बुद्धिमान बच्चों की अपेक्षा कम बौद्धिक उपलब्धि व देखने – सुनने में किसी प्रकार की विशिष्टता का न होना।

जैसे 1) – सरल भाषा में कही गई कहानी भी इनके समझ से परे रहती है, सुनते समय ध्यान से सुनते हैं, पर जब उससे कहने को कहा जाए तब वह बताने में असमर्थ होते हैं।

जैसे 2) गणित विषय में सामान्य जोड़ भी इन्हें समझने में परेशानी होती है।

2) योग्यता व ~~उपलब्धि~~ उपलब्धि में अन्तर द्वारा

ऐसे बालकों का परीक्षा फल में कितनी भी मेहनत के बावजूद किसी प्रकार का परिवर्तन नहीं होता है। अर्थात् यह जो भी पढ़ते हैं, ~~ऐ~~ ऐसे बालकों को समझने में दिक्कत होती है, जिसका नतीजा उनकी उपलब्धि पर दिखता है।

3) विभिन्न प्रकार के क्षेत्रों से संबंधित भिन्न प्रकार का प्रदर्शन

ऐसे बालकों की कल्पना शक्ति सामान्य बालकों से कम होती है, जिस कारण वे अन्य क्षेत्रों में सामान्य बालकों से पिछड़ जाते हैं।

जैसे - Co-curricular activities में यह अपना योगदान पूर्ण रूप से नहीं कर पाते हैं, और यह पीछे रह जाते हैं।

इस प्रकार के बच्चों की पहचान सामान्यतः परीक्षण रहित प्रविधियां (Non-testing devices) व परीक्षण युक्त प्रविधियां (Testing devices) को अपना कर की जा सकती है।

1) परीक्षण रहित प्रविधियाँ (Non Testing devices)

इस प्रकार की प्रविधियों में अधिगम अक्षमता की पहचान हेतु हम निरीक्षण, साक्षात्कार, चैकलिस्ट व रेटिंग स्केल आदि

तकनीकों का प्रयोग करते हैं। यद्यपि कुछ व्यवहारगत विशेषताओं का वर्णन इस प्रकार है, जो अधिगम असमर्थी बालकों को सामान्य से भिन्न बनाती है -

1) देखने, सोचने व समझने की योग्यता में कमी।

2) मौलिक अनुदेशनों को समझने व याद रखने की अक्षमता होती है।

3) ये दायें, बायें, ऊपर व नीचे आदि के बोध में कठिनाई का सामना करते हैं।

4) ये एक कार्य से दूसरे कार्य को करने में कठिनाई पाते हैं।

Sunday 20

5) थोड़े से परिवर्तन से घबरा जाना।

6) ये किसी भी बात पर स्थिर नहीं रहते प्रत्येक कार्य करने को तैयार हो जाते हैं, लेकिन कर नहीं पाते।

7) वे किसी भी कार्य को अधिक समय तक ध्यानपूर्वक नहीं कर पाते हैं, उनका ध्यान इधर-उधर भटकता है।

8) अमूर्त प्रत्ययों को समझने में बहुत कठिनाईयों का सामना करना पड़ता है।

9) इसके पास सामान्यतः सीमित शब्द व अंक होते हैं।

10) ये सामान्य से ज्यादा उत्तेजित होते हैं ये कक्षा में थोड़े समय भी शान्त नहीं बैठ सकते।

11) विद्यालय में तथा कक्षा कार्य में इनकी क्रियाएँ निम्न स्तर की होती है।

12) पढ़ते समय पंक्तियों को छोड़-छोड़ कर पढ़ना।